Maharishi Skills
SKILLS | EDUCATION

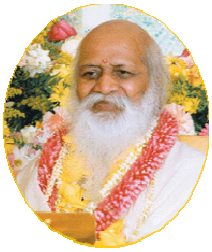

Certificate in Sthapatya Ved Science

Duration : 240 Hrs / 6 Months

स्थापत्यवेद परिचयः-

आन्तरिक व बाह्य सज्जा, मंगलाचरण का महत्व, वास्तुशास्त्र व स्थापत्यवेद का अन्तर

महर्षिजी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान

वास्तुशास्त्र के मूल ग्रन्थों का परिचयः-

समरांगण-सूत्रधार, मानसार, मयमत, अग्निपुराण आदि वास्तु शास्त्र के पांच प्रमुख ग्रन्थों का परिचय

भूमि चयनः

आकार, रंग, गन्ध, स्वाद के आधार पर भूमि चयन, भूमि प्लव, परिवेश आदि का महत्व। भूमि के शुभाशुभ फल

भूमि परीक्षणः

मिट्टी की घनत्व, आर्द्रता, विकिरण, उर्वरता आदि परीक्षण

शकुनः

विभिन्न अवसरों पर होने वाले शुभाशुभ शकुन

भूमि पूजन- गृहारम्भः

भूमि पूजन विधि, सूर्व व चन्द्रमास के आधार पर गृहारम्भ मुहूर्त, राहुविचार, वास्तुनाग विचार

पद विन्यासः

इक्यासी पद वास्तु, वास्तुदेवता, रंग, भोजन आदि

द्वार, मान, स्थान व वेधः

पद के अनुसार द्वार का निर्धारण, पदानुसार द्वार फल, द्वार वेध व दुष्परिणाम

प्लानिंगः

बैठक, शयन, रसोई आदि विभिन्न कक्षों की प्लानिंग

विभिन्न प्लाट साईज हेतु प्लानिंग

विभिन्न दिशाओं के घर की प्लानिंग

आन्तरिक सज्जाः

विभिन्न कक्षों की आन्तरिक सज्जा

गृहदोष निरूपणः

गृह के विभिन्न दोष तथा उनको दूर करने का उपाय

वास्तु पूजन व शान्तिः

गृह प्रवेश व वास्तु शान्ति विधि